YBS2-2-HI

जो अपने उद्धार पर संदेह करते हैं, उनके लिए आशा - प्रोग्राम 2

अनाऊंसर: आज द जॉन एंकरबर्ग शो में, सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक सवाल जो कभी पूछा जा सकता है वो ये है, "हम कैसे निश्चित हो सकते हैं कि हम अनन्तकाल परमेश्वर के साथ बिताएँगे?

डॉक्टर अरविन लुथजर: इसे इस तरह से सोचिए हमारे मरने के एक मिनट बाद, एक तो हम मसीह की सुन्दरता और महिमा को स्वर्ग में देखेगे, या हम ऐसा कुछ देखेगे जो इतना भयानक है जिसकी कल्पना भी हमे डरा देती है, आज के दिन/ मतलब इसे सोचने के लिए जरा रुकते हैं, कि ये सबसे महत्वपूर्ण सवाल पूछे, वो यही है कि हम अनन्तकाल कहाँ बिताएंगे/

अनाऊंसर: इस सवाल का जबाव देने के लिए आज मेरे मेहमान हैं, डॉक्टर अरविन लुथजर, सीनियर पास्टर मुड़ी मेमोरियल चर्च शिकागो, एलेनोय के, येइन सवालों के जवाब देगे, बाइबल उनके बारे में क्या कहती है जो पहले मसीही विश्वास का अंगीकार करते हैं और बाद में जीवन में विश्वासी होना छोड़ देते हैं,

यदिविश्वासी कुछ पापों के अंगीकार किए बिना मर जाता है, तो क्या इससे परमेश्वर ने उसके लिए किए सारे कम बेकार हो जाएंगे?

हम कैंसे निश्चित जान सकते हैं कि आज हम उद्धार पाएं हैं, कलऔर हमेशा के लिए उद्धार पाएं हैं?

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, हम चर्चा कर रहे हैं कि हम कैसे निश्चित हो सकते हैं कि मरने के बाद परमेश्वर के साथ अनन्तकाल बिताएँगे/ क्या इससे अधिक कुछ महत्वपूर्ण है/ चलिए मैं पूछता हूँ आपको पता है?

अरविन आपकी किताब में आपने बताया कि लोगों को छोटी छोटी समस्याएँ होती हैं, उन में संदेह होते हैं/ और वो इन संदेह का जवाब पाने के लिए कुछ देते हैं/ वो चाहते हैं कि निश्चित और सटीक उद्धार प्रभु से पाएं, ठीक

है, चलिए इन कुछ चिंताओं के बारे में चर्चा करते हैं, यदि आप रोम में जाए, और सेंट पीटर में जाएं और देखे अंतिम न्याय की पेंटिंग जो माइकल एंजलो ने किया था/ यदि लोग इसे विचार जाने कि वो क्या कह रहे थे, कि खुद को देखे कि एक घंटे में, वो मरनेवाले है, और न्याय किया जाएगा/ तो हमारा चेहरा कैसे दिखेगा, उनके दर्द में उन्होंने उन लोगों के भाव को बनाया, जो अंतिम न्याय का सामना कर रहे थे/ और पूरी तरह से केवल चिंता थी/ बहुत डर था/ और बहुत से लोग जो प्रोग्राम देख रहे हैं, वो इस बारे में सोच रहे हैं, प्रभु के सामने हैं, पवित्र परमेश्वर, प्रभु जो उन के बारे में सबकुछ जानता है, वो डरते हैं, अनिश्चित हैं, यहां तक कि जो लोग चर्च में जाते हैं, जिन लोगों ने मसीह में विस्वास का अंगीकार किया है/

अब कुछ लोगों ने झूठा विश्वास होता है/ कुछ लोगों में सच्चा विश्वास होता है/ हम इसे देखना चाहते हैं/ लेकिन आप क्या कहेगे, कि सान्तवना दे, प्रभु के वचनों से/ कि लोग निश्चित विश्वास रखें, ये उनके काम पर आधारित न हो/ जी बताइए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैरजॉन ये तो अवश्य ही सबसे महत्वपूर्ण सवाल है जो कोई भी पूछना चाहता है, अवश्य ही ये प्रभु के साथ हमारे संबंध पर आधारित है, स्वर्ग और न्याय और बाकी सब पर/ हम इस खास प्रोग्राम में इसे देखेगे सच्चे विश्वास और झूठे विश्वास में, यदि हम इसे देखे तो चलिए एक कहने से शुरू करते हैं, मैं आपको एक बहन की कहानी बताऊ, जोबाइबल स्टडी में सिखाती थी, और मैं विश्वास करता हूँकि उस में सच्चा विश्वास था, मैंइसलिए कहता हूँ क्योंकि अवश्य ही उनकेपती ये विश्वास करते थे, उन्हें जाननेवाले लोग विश्वास करते थे, लेकिनवो हमेशा संदेह के समय में से जाती थी, हम एक कैम्प में गए थे और सब पिछली पोर्च में बैठेथे, वो और उनके पती भी, हम एक झील को देख रहे थे और मुझे कहानी याद आई/ शायद ये कहानी सच्ची हो या सच्ची न हो, लेकिनइस में अद्भुत बात है/ एक आदमी जमी हुई झीलपर से जा रहा था,लेकिनडर रहा था शायद बर्फ बहुत पतली होगी, और अपने वजन बाँटकर चलना निशिचत करने के लिए वो अपने हाथ और घुटनों पर रेंगने लगे, आशा करते हुए कि अंत में इस झील को पार कर देगे/ लेकिन इस कहानी में कुछ दूर जाने पर उसने कुछघोड़ो को अपनी और आते हुए देखा/ औरउन्होंने जाना कि यदि बर्फ इतनी मोटी है कि कई घोड़े दौड़ सके, तोमैं इस झील पर क्यों रेंग रहा हूँ? क्यों न मैं उठकर कूदकर इस पर दौंडनेलगूं और इसका आनन्द उठाऊँ, वो बहन इस बात को तुरंत समझ गई, जैसे ही मैंने उनसे कहा, आपके निचे का बर्फ, एक सच्चे विश्वासी के नाते, ये उतना है मोटा हैं जितना मेरे तले हैं/ हम दोनों मसीह पर आधारित हैं, और उन्होंने कहा कि केवल एक ही फर्क है, आप इसका आनन्द उठा रहे हैं, औरमैं नही, ये बात सच है/

और जॉन ये हमे इस बात पर लाता है किहमें इस पर ज़ोर देना चाहिए/ यदि हम सही चीज पर विश्वास करते हैं, खासकर मसीह पर/ तो केवल मसीह पर विश्वास करनाअच्छा है, कांपते हुए हाथों के साथ, कहा जाए तो, झूठाविश्वास रखने के बजाए स्थिर भरोसा रखे,

देखिए क्योंकि यदि वो आदमी उस झील पर रखता और पूरा भरोसा रखता कि वो उस पर दौड़ सकते हैंऔर यदि वो केवल आधा इंचमोटा होता, तो डूब जाते हैं/ विश्वास केवल उतना ही अच्छा है जितना वो जिस चीज पर रखा गया है, हम यहाँ इसी पर चर्चा कर रहे हैं/ कैसे कोई मसीह में विश्वास रखेगा, जो इतना संतुष्टकरनेवाला है जिसके बारे में बाइबल कहती है कि विश्वास की पूरी शाश्वती है/ मैं सोचता हूँ हम इसी पर चर्चा कर रहे हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, आप अभी ये कह रहे हैं और लोग सोच रहे हैं/ और उन्हें उद्धार की शाश्वती देना है तो उन के दिमाग में बहुत सी प्रतिज्ञाएँ रखनी होगी/ और दुर्भाग्यवश हमारे कुछ मित्र, जो प्रचारक हैं वो कईबार इसे नही कहते हैं, सही तरह, सटीकता से और पूरी तरह से/ जब वो बताते हैं कि उद्धार क्या है/

उदाहरण के लिए चलिए इसे सही तरह से रखते हैं, एक बहन है जिस के बारे में आपने किताब में लिखा है/ जिसने एक प्रचारक को सुना, प्रोग्राम में/ और इस प्रचारक ने कहा हाँ आपको मसीह में विश्वास करना चाहिए/ लेकिन साथ है ऐसे बनाया, ऐसे दिखाया, कि उन्हें अपने काम देखने चाहिए/ और यदि उनके कामों के द्वारा निश्चित होना था, तो वो उद्धार के लिए काम करेगे/ मैं सोचता हूँ कि ये विनाश की तयारी है/ क्योंकि हमें पूछना चाहिए कि हमारे कितने काम, हमारे कितने काम, उस जगह पहुंचने चाहिए कि हमारे पास सुरक्षा हो, या ज्ञान या शाश्वती हो, कि मुझे स्वीकार किया गया, फिर यदि जोर मेरे कामों पर हो, मसीह ने जो किया उस के बजाएं/ हमें इस बहन के बारे में बताइए, और आपने क्या कहा/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर, परिस्थिति इस तरह थी, मैं अपने ऑफिस में बैठा था, चर्च में, और फोन बजा, ये इस बहन का था जो एक नर्सिंग होम में थी, और उन्होंने कहा कि हम एक कमरे में आते हैं और एक खास प्रचारक को सुनते हैं, हरसुबह और उन्होंने कहा कि मैंजानतीहूँ कि मैं एक विश्वासी हूँ, क्योंकि वो सच्चा विश्वास करतीथी/ औरहमें ये बात लोगों के सामने रखनी होगी जॉन क्योंकि अब तक हमने सच्चे विश्वास औरझूठे विश्वास के बारे में कहा है, उस के पास हर सबूत थे कि उस में सच्चा विश्वास है, लेकिन उसने कहा, इस प्रचारक के अनुसार मैंने उद्धार नही पाया/ मैंने कहा क्यों? उसने कहा कि इन्होंने बताया है, कि सच्चे विश्वासी कभी पाप नही करतेहैं, यदिकरे तो ये केवल कुछ समय के लिए होता है, और वो बहुत जल्दी वापस आते हैं/ उसने कहा ओ

मैंने अपने प्रभु को बहुत बार असफल किया है/ मैं जानती हूँ कि मैं एक बड़ी पापी हूँ/ मैंने प्रभु को असफल किया/ और फिर उसने कहा, मैं हमेशा सोचती थी किमसीह का लहू काफी है लेकिन इन के अनुसार नही है/

मैंने उनसे कहा अवश्य ही मसीह का लहू काफी है/ और इस प्रोग्राम के अंत में खैर बता दूँ, हम उदाहरण देगे कि कैसे मसीह का लहू काफी है, मैंनेकहा मसीह का लहू काफी है और उन्होंने कहा, मैं अपने दिल का क्या करूं? ये बहुत अच्छा था, ये एक बुजुर्ग बहन थी उसने कहा कि मैं स्टील वुल लेकर अपने दिल पर घीस नही सकती? मुझे क्या करना चाहिए? औरमैंने उन से कहा, आपका भरोसा यीशु मसीह में है, और क्रूस पर उसने बहाए लहू पर है, वो ही काफी है/ उसने कहा सच में ये काफी है, मैंने कहा हाँ ये काफी है/

उसने कहा कि जैसे ही मैं ये फोन रखूंगी मैं सबको बताउंगी, कमरेकीसारी बहनों को बताउंगी, कि यीशु का लहू काफी है/ और जॉन हम कहना चाहते हैं, मजबूतीसे कि मसीह का लहू ही काफी है, अब ये बहुतसीबातों कोनिश्चित करता है/ येबताता है कि हम मसीह के लहू में सच्चा विश्वास करते हैं, जो यीशु ने क्रूस पर किया है, ये सच में निश्चित करता है किहम ने उद्धार के लिए विश्वास किया है, जानते हैं आपके जीवन मेंसबूत हैं कि आप सच्चे विश्वासी हैं क्योंकि ये इसका भाग है जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब सबका ध्यान यहाँ है और वो कहते हैं ठीक है मुझे जानना होगा कि सच्ची बात क्या है, मुझे जानना है कि झूठा विश्वास क्या हैं और सच्चा विश्वास क्या है/ तो चलिए इसका फर्क देखे, तो चलिए पहले एक झूठे विश्वास के बारे में बताइए/ सोचता हूँ ये मदत करेगा, और जो लोग ये कहते हैं कि मैं मसीह में विश्वास करता हूँ, और, वो एक और शब्द लगाते हैं/ तो बताइए इस में क्या गलत है?

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी, जहाँ तक उनकी बात आती है, विश्वास म्यूचुअल फंड जैसे है, जानते हैं, हमसारे अंडे एक टोकरी में नही रखना चाहते हैं तोमैंयीशु में विश्वास करता हुं, और इस में विश्वास करता हूँ, ये मेरे साथ बहुत बार हुआ है/ मैं लोगों से कहता हूँ, यदिआज ही आप मर जाए, और प्रभु आप से कहे कि मैं तुम्हें स्वर्ग में क्यों आने दूँ, तो क्या कहेगे? यदि कहे कि मैं अच्छा व्यक्ति हूँ, और बहुत कुछ कहते तो फिर मैं कहता हूँ, जानते हैं ये गलत हैं इसका जवाब है कि यीशु मसीह क्रूस पर लोगों के पापों के लिए मरा तो कहते

ओ अवश्य ही है मैं उस पर भी भरोसा रखता हूँ/ ओ अवश्य ही ये इसका भाग है/ इस तरह के व्यक्ति के बारे में पुरे भरोसे के साथ कह सकते हैं कि खोया है, क्योंकिजरा सोचिए कि ये मसीह के लिए कितना अपमान है/ क्योंकि ये सच में कह रहे हैं कि यीशु तूने जो क्रूस पर किया वो काफी नहीं है ये केवल तब काफी होगा जब मैं अपने छोटे काम जोड़ता हूँ, तेरेधन्य कामों के साथ तबये काफी होगा, तोमैं अपना कामकरता हूँ तू अपना काम

कर/ एक बात तो निश्चित है, कि उन लोगों के पास शाश्वती नही है क्योंकि हम कभी निश्चित नही हो सकते, लेन-देन के अपने इस भाग में/ येझूठा विश्वास है, मसीह और विधियाँ, मसीह और काम करना, मसीह और बप्तिस्मा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: चलिए यही रुकते हैं क्योंकि ये तो इसी बहस का अच्छा रूप है/ याने वो ये कहते हैं अनुग्रह यही तो है/ मसीह भीतर आता है मुझे काम करने की शक्ति देता है, और उसने अपनी सामर्थ से जो किया उसमे मेरा योगदान है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बिलकुल यही तो उस मनुष्य ने किया जो भवन में प्रार्थना करने गया था, परमेश्वर तेरा धन्यवाद करता हूँ कि मैं दुसरे मनुष्य जैसे नही हूँ, प्रभु मैं बेहतर हूँ, तू ही मुझे भले काम करने का अनुग्रह देता है, यानेसच में ये अनुग्रह से है, लेकिनअनुग्रह के बारे में उसकी समझ बहुत छोटी थी और यीशु ने कहा कि वो धर्मी नही ठहरा/ अनुग्रह मनुष्य किबनाई विधियों से नही आता हैकि हम दुसरे के उद्धार को अपने हाथों में थाम सके/ अनुग्रह तुरंत ही मनुष्य के दिल में आता है, मनुष्य के दिल में, वचन के प्रचार से, परमेश्वरकी पवित्र आत्मा के कामों के द्वारा/ औरहमें लोगों के सामने इसे रखना होगा/ क्योंकि यहाँ तक कि जो उद्धार आता है विधियों के द्वारा, यदि आप उन लोगों से बातें करे तो उन में कोई शाश्वती नही होगी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, वचन हमें बताता है कि ये धार्मिकता के कामों से नही, जो हमने किए हैं, ये तो प्रभु के बल से है या उसके बिना है/ सच तो ये है कि हम कुछ नही करते हैं, कि योगदान दे/ जी/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बिलकुल, दूसरी तरह का झूठा विश्वास है औरवो तो मसीह में सामान्य रुप में भरोसा करना है, ओमैं यीशु में विश्वास करता हूँ, हाँ, हाँ क्या आप विश्वास करते हैं कि वो पापियों के लिए मरा?जी, मैं ये विश्वास करता हूँ, जानतेहैं सामान्य तरह का विश्वास, और ये उध्दार का विश्वास इसलिएनही है, ये इसलिए क्योंकि जानते हैं लूथर सही थे जब उन्होंने कहा, हमें नरक में जाना चाहिए, स्वर्ग में उठाए जाने से पहले/ जब तक हमारे पापमयता कि समझ न हो, और ये न जाने कि यीशुने क्रूस पर ये क्यों किया, ये तो बहुत जरूरी है/ कोईसामान्य बात नही है, उस व्यक्ति के बारे में जो मसीह पर विश्वास करता है/ वो अपने अनन्तकाल की मंजिल के लिए मसीह पर भरोसा कर रहा है/ अपने प्राण से, और कोई जो सामान्य रूप में यीशु पर विश्वास करता है, जो सामान्य विश्वास है/ इस तरह का विश्वास काम का नही/

अब इसके साथ ही, और भी दुसरे गलत विश्वास हैं/ लोग जो दूसरी आस्थाओं में हैं, लोग जो न्यू एज मूवमेंट में हैं, और ये सब, हम इन में नही जा सकते हैं/ हम उन लोगों के बारे मे कह रहे हैजो मसीही हैं, वो गलत विश्वास कर सकते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, हम यहाँ पर एक ब्रेक लेगे, वापस आने पर चर्चा करेगे कि उद्धार का सच्चा विश्वास क्या है और सच्चे विश्वासी का चिन्ह क्या है/ तो ठीक है हमारे साथ बने रहे, जल्द लौटेगे/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम लौट आएं हैं, हम चर्चा कर रहे हैं डॉक्टर अरविन लुथजर से, ये पास्टर है मुड़ी मेमोरियल चर्च शिकागो के/ हम चर्चा कर रहे हैं कि कैसे निश्चित हो सकते है कि मरने पर प्रभु के साथ रहेगे, और हमने झूठे विश्वास के बारे में कहा, अब चर्चा करेगे कि उद्धार का सच्चा विश्वास क्या है/ इस के स्वभाव गुण बताईए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: खैर सबसे पहले ये विश्वास केवल मसीह की और ही होता है, जानते हैं, मैं सोचता हूँ १०० बार से भी ज्यादा युहन्ना के सुसमाचार में, विश्वास और उद्धार तो मसीह में विश्वास सेजुड़ा है, जो मेरे पास आता है तो अनन्तजीवन पाता हैं, जितनों ने उसे स्वीकार किया, उन्हेंउसने परमेश्वर के पुत्र होने का अधिकार दिया है/ जो पुत्र पर विश्वास करता है वो अनन्तजीवनपाता है/ हम इस बाकि प्रोग्राम में बहुत से ऐसे वचन कह सकते हैं/ ये इस सच्चाई के बारे में है कि ये विश्वास केवल मसीह में होना चाहिए/

अब जैसे मैंने कहा कि यदि ये मसीह और में, तो हम समस्या में होगे, तो हम मसीह को छोड़ और चीज पर आधारित हैं, और जानते हैं लूथर ने दिलचस्प सवाल पूछा था/ उन्होंने कहा कि आप किस कारण सोचते हैं कि आपके भले काम, परमेश्वर के लिए बहुमूल्य हैं यावो जोड़ सकते हैं उस अद्भुत, और सुंदर काम में जो यीशु मसीह ने किया है, हमारे बदले में/ क्या ये घमण्ड नही कि ये सोचे, कि हमारेभले काम यीशु के अद्भुत काम में योगदान दे सकते हैं/ यानेउद्धार तो केवल प्रभु से है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: वो सच में पाप की गंभीरता नहीं समझते हैं, या सच में मसीह कौन है, और पिता क्या चाहता है/ ये अद्भुत है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: मुझे अगस्टिन पसंद हैं, उन्होंने कहा कि जो परमेश्वर की पवित्रता को जानता है, वो उसे प्रसन्न करने की कोशिश में हार जाता है/ देखिए यदि हम केवल परमेश्वर की पवित्रता समझते, तो हम समझपाते कि क्यों हमारे भले काम योगदान नही देते, उद्धार में, उद्धारतो प्रभु से ही है, जानतेहैं मुझे चार्ल्स हेडन स्परजन के शब्द पसंद हैं, जो लंडन में प्रचारक थे, 1800 की सदी में, और क्या ये अद्भुत नही जॉन, आप और मैं इस तरह क्यों नही सोच सकते हैं/ उन्होंने कहा कि मैं उड़ सकता हूँ और नरक की आग पर उड़ सकता हूँ, केवल एक धागे को पकड़े हुए, बिना किसी डर के, मैं ये कर सकता हूँ, यदिमैं ये जानू कि मेरा विश्वास केवल यीशु मसीह में है, क्या ये सुंदर नही है?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये अद्भुत है

डॉक्टर अरविन लुथजर: और शाश्वती यही से आती है, इस विश्वास से जो केवल यीशु मसीह की और है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, कोई काम नही, कोई बप्तिस्मा नहीं, कोई विधि नही, हम कुछ नही करते हैं, केवल मसीह, वो काफी है, वो पर्याप्त उद्धारक है/ वो ये कर सकता है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: ओ केवलवही है, वो काफी है, केवलवही है, हम इस पर एक और प्रोग्राम कर सकते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: चलिए नंबर दो में चले/

डॉक्टर अरविन लुथजर: नम्बर दो तो पवित्र आत्मा द्वारा शाश्वती है, मैं इसे रोमियो ८ और दुसरे वचनों से ले रहा हूँ, जहाँ ये कहता है कि आत्मा आप ही हमारी आत्मा में गवाही देता है कि हम परमेश्वर की सन्तानहैं/ मैं व्यक्तिगत गवाही देना चाहता हूँ, ठीक है जब 14 साल का था तब शाश्वती में परेशानी थी, बच्चे के रूप में, अंतमें मैंने प्रार्थना कर विश्वास से मसीह को स्वीकार किया/ ये विश्वास किया कि वो सच में मेरे लिए मरा/ जानतेहैं जॉन अगले ही दिन मैंने सच में सोचा, मैं छोटा था और 14 साल का था/ मैंने रोमांचित करनेवाली प्रभु कीउपस्थिति महसूस की, तब मैंने सोचा कि मैं दरवाजा खोले बिना ही उससे पार चला जाऊँगा/ खैर इसकी कोशीश नही की/ नही तो आज यहाँ नही होता/ लेकिन परमेश्वर की उपस्थिति का एहसास था, जानतेहैं जब किसी को मसीह की और लाते हैं, ये मनुष्य तो मरने पर थे, ये कितनी अद्भुत कहानी है, मैंनेइसे किताब में नही लिखा क्योंकि ये किताब लिखने के बाद हुई है/ यहाँ एक भाई कैन्सर से मर रहे थे, मैं उन से मिलने गया/ उन के

पास जीने के लिए कुछ ही हफ्ते बाकी थे, मैंने उन से कहा, जानतेहैं आपको मसीह को उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करना चाहिए/ और हालांकि उन्होंने डज़न और डज़न संदेश सुने थे, जानतेहैं उन्होंने मुझ से क्या कहा? मैं जानता हूँ कि मुझे ये करना है, लेकिन नही जानता कि कैसे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: वाह

डॉक्टर अरविन लुथजर: क्या आप कल्पना करेगे, तो मैंने मसीह में विश्वास में उनकी अगुवाई की, केवल मसीह में, एक प्रार्थना का उपयोग किया कि इनके विचारों को मसीह के पास लाऊं, और मसीह को उद्धारकर्ता स्वीकार करे/ और मैंनेप्रार्थनाकी कि वो उद्धार की शाश्वती पाएं, जानतेहैं जब उनके रिश्तेदार उन से मिलने के लिए आते थे तो वो क्या करने के लिए कहते थे, अपने जीवन के अंतिम दिनों में/ मेरे लिए बाइबल पढिए/ मेरे लिए बाइबल पढिए, क्यों? उन्होंने बाइबल में पहले दिलचस्पी नही ली थी/ दूसरा तरीका है जिससे हमारा विश्वास साबित होता है, और वो है पवित्र आत्मा की सेवकाई, अब हम जानते हैं कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं क्योंकि हमने नया स्वभाव पाया है, नया जन्म जिस पर चर्चा की है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मैं ये सोचता हूँ अरविन, पवित्र आत्मा से सहमती भी वचन को देखने के कारण ही आती है/ कहिए कि यदि यीशु मेरे सामने मेज़ पर बैठा हैं और कहता हैं देखो, जानना चाहते हो कि क्या सच में तुम्हें उद्धार दिया, वो कहता हैं तुम ने मुझ में विश्वास किया, तो अपना नाम यहाँ कॉन्ट्रेक्ट में लिखे दो, मैं साइन करता हूँ और वो निचे साइन करते हैं, और मुझे देते हुए कहता है, इसे ले लो/ हमारे पास ये परमेश्वर का वचन है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: बिलकुल सही,

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: परमेश्वर की प्रतिज्ञाए तो प्रभु की प्रतिज्ञाएँ हैं, जब ये उदय होता है तो प्रभु यहाँ ऐसे ही जाने नही देगा/ वो इससे बाहर आने की कोशिश नही कर रहा है, वो शाश्वती देना चाहता है कि यदि हम उसके वचन पर विश्वास करे/ तो उसने आपको बचाया है/ और ये एक बात है जो पवित्र आत्मा उपयोग करेगा/ कि कहे, तुम्हारे महसूसीकरण के बावजूद, शायद हम इस पर एक प्रोग्राम में चर्चा करेगे, याने विश्वास और म्हसुसिकरण पर/ सच तो ये है कि ये प्रभु का वचन है/ ये सच्चाई है, आप उस पर विश्वास करते हैं और पवित्र आत्मा सहमती देता है, जो प्रभु वचन के आधार पर होता है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: परमेश्वर की प्रतिज्ञाए तो प्रभु की प्रतिज्ञाएँ हैं, जब ये उदय होता है तो प्रभु यहाँ ऐसे ही जाने नही देगा/ वो इससे बाहर आने की कोशिश नही कर रहा है, वो शाश्वती देना चाहता है कि यदि हम उसके वचन पर विश्वास करे/ तो उसने आपको बचाया है/ और ये एक बात है जो पवित्र आत्मा उपयोग करेगा/ कि कहे, तुम्हारे महसूसीकरण के बावजूद, शायद हम इस पर एक प्रोग्राम में चर्चा करेगे, याने विश्वास और म्हसुसिकरण पर/ सच तो ये है कि ये प्रभु का वचन है/ ये सच्चाई है, आप उस पर विश्वास करते हैं और पवित्र आत्मा सहमती देता है, जो प्रभु वचन के आधार पर होता है/

ठीक है, यानेयेहैंकेवल मसीह कीऔरविश्वासकरना, येपवित्र आत्मा द्वारानिश्चित होता है/ प्रतिज्ञाएँ, येसाथ ही ऐसाविश्वास है जो कामोंमें प्रकट होताहै, बाइबलकहती है/ कि हमने भले कामों के लिए उद्धार पाया है/ सचमें प्रभु ने येनिश्चित किया है कि हम इस मेंचले/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: कामों से नही

डॉक्टर अरविन लुथजर: बिलकुल/ देखिए एक बार मनुष्यबदलजाएं तो अवश्य हीवोअलग तरह सेरहेगा/ क्योंकि उस में अलगइच्छाएँ होगी/ लेकिन महत्वपूर्ण बात तो ये कहना है, जिस पर जोर देना चाहिए किये भले काम नही जो हमें शाश्वती देते हैं, क्योंकि आप और मैं जानते हैं, कि उद्धार पाने के बाद भी हमें पापों से लड़ना पड़ता है/ ऐसे भी समय रहे हैं कि हमने जो सही था उसे जानते हुए भी आज्ञाभंग की है/ इसलिए ये कहना सही नही होगा कि हमारी शाश्वती इस पर आधारित है, लेकिनइसका सबूत है, जानतेहैं यदि कोई कहे मैं मसीह को उद्धारक के रूप में स्वीकार करूंगा, लेकिन उस में प्रभु के लिए कोई प्रेम नही है, प्रभु की सेवा करने के लिए कोई इच्छा नही है, मैं उनका दिल नही जानता हूँ, प्रभु जानता है लेकिन मेरे पास सवाल होगे/ कि क्या वो मसीह के पास आए हैं या नही/

दूसरी बात ये है, ये इस तरह का विश्वास है जो बढ़ता है/ जानते हैं, प्रभु में मेरा विश्वास औरमसीह में और बाइबल में ते तो बढ़ा है, उस समय से जब मैं कॉलेज में था, मैं आशा करता हूँ कि ये पिछले साल से ज्यादा मजबूत है/ याने ये विश्वास ऐसा है जो निरंतर बढ़ता है, और विश्वास के इस बढने की क्रिया में, हम ऐसी जगह आते हैं जिस के लिए बाइबल कहती है, विश्वास की पूरी शाश्वती/ और कुछ नए विश्वासी, प्रभु उन्हें आशीष दे/ उन्हें मुश्किल होती हैं/ अपनेविश्वास में, औरवो संदेह करते हैं, यदि वो निरंतर वचन पढ़ते जाए, और प्रभु के साथ चले, अक्सर वो संदेह गायब हो जाते हैं, औरप्रभु की प्रतिज्ञाओं में उनका भरोसा बढ़ते जाता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अच्छे कामों से नही/ जी बताइए/ आपने अद्भुत उदाहरण दिया है लहू पर, इस प्रोग्राम में इसके बारे में बताइए/

डॉक्टर अरविन लुथजर: अवश्य ही हमें बताना होगा और बताउं कि क्यों/ क्योंकि कोई सुन रहा होगा, जो सच में जानते हैं कि वो बड़े पापी हैं/ प्रभु बड़े पापियों से प्रेम करता है/ उनकी तुलना में जो सोचते हैं कि उन्होंने कोई बड़े पाप नही किए हैं/ सच तो ये है कि हम सब बड़े पापी हैं/

याद रखे कि पुराने नियम में, प्रभु ने इस्राएलियों सेकहा, उसने कहा कि मैं मिस्र देश से जाऊँगा, और उसने कहा कि तुम्हारे पास, तुम लोग एक मेमना मारना, अपने घर के किवाड़ों पर लहू लगाना, उसेऊपर लगाना और अलंगो मेंलगाना, और जब मैं लहू देखूंगा, तो तुम्हें लांघकर चला जाऊंगा, और मृत्यु का दूत तुम्हें नही छुएगा/ और केवल मिस्री जिन के द्वार पर लहू नही होगा, वो मरेगे/

हम कल्पना कर सकते हैं कि एक परिवार होगा, जिन्होंने द्वार पर लहू लगाया, पिता ने ज़ोर दिया कि द्वार पर लहू हो, क्याआप जानते हैं, असली बात तो ये नही कि क्या वो उस रात अच्छे से सोए या नही/ शायद वो निराश होगे, शायद बड़े बेटे ने कहा होगा, ये लहू की बात क्या है, यदिमृत्यु का दूत फिर भी हमें मार दे तो/ कोई बात नही/ द्वार पर लहू था, और प्रभु ने कहा था जब मैं लहू देखूंगा, तो तुम्हें लंघकर जाऊँगा.

हमने ये प्रोग्राम शुरू किया था, एक बहन के बारे में कहते हुए जिन्होंने मुझ से सवाल पूछा था, क्या यीशु का लहू काफी है? और जवाब है हाँ, जरूरहै/ वोविश्वासजो आपने मसीह में रखा है, वो साबित होगा, दुसरे मार्ग जिस पर चर्चा की है, खैर अंत में मुझे इसे एक और बार बताना होगा, यदि हम विश्वास करते हैं कि यीशु क्रूस पर हमारे लिएमरा, उसकी मृत्यु पूरी तरह काफी है, जो लहू बहाया गया वो काफी है, और आप अपना भरोसा रखते हैं जो उसने किया है/ तो हम उद्धार पाएंगे और हमारी शाश्वती ये जाने से आएगी, और ये हमारा काम नही है, लेन देन में हमारा काम नही है/ ये तो लेन देन में उसका भाग है/ हम कुछ नही लाते केवल जरूरतलाते हैं/ और उसकी मुफ्त भेंट पाते हैं/ यही सुसमाचार है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अरविन मैं सोचता हूँ कि अब बहुत से लोग प्रोग्राम देख रहे हैं जो अपना दिल प्रभु के लिए खोलना चाहते हैं, प्रभु उन से कह रहा है, बात कर चुका है, और ये यीशु पर विश्वास करना चाहते हैं, क्या आप इन्हें अंगीकार की प्रार्थना में अगुवाई करेगे/

डॉक्टर अरविन लुथजर: मुझे पसंद आएगा जॉन, ये इसी के बारे में है,

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये इसी बारे में है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: पिताआज हम तेरा धन्यवाद करते हैं, यीशु के लिए, धन्यवाद कि वो यात्रा की शुरुवात है, और वो यात्रा का अंत है, क्रूस के लिए धन्यवाद, जो लहू बहाया, जो बलिदान किया गया, आज हम प्रार्थना करतेहैं, तूने बहुत से दर्शकों के दिल में रखा कि वो तुझ में विश्वास करे, इन्हें ये प्रार्थना करने का अनुग्रह दे, कि इस तरह से प्रार्थना करे, प्रभु मैं जानता हूँ कि मैं एक पापीहूँ, लेकिन तेरा धन्यवाद करताहूँ कि तूने यीशु को भेजाकि पापियों को बचाएं, बड़े पापियों को भी/ इसलिए इस पल, मैं इसे स्वीकार करता हूँ, उपमा के रूप में कहते हुए, उसका लहू मेरी ढालहै, और मैं उसे स्वीकार करता हूँ, मेरेप्रभु के रूप में, प्रभु ऐसा ही बहुत से लोगों के जीवन में कर, हमयीशु के धन्य नाम में मागते हैं/ आमीन/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आमीन, ये अद्भुत है, हम अगले हफ्ते एक कदम आगे बढ़ेगे/ हम उस प्रोग्राम को कहेगे केवल संदेह करनेवाले/ क्योंकि अरविन ने आप को जो भी बताया है, अभी भी कुछ लोग हैं जिन्हें मुश्किल होती हैं, अपने उद्धार में भरोसा रखने में/ उन लोगों को क्या करना चाहिए/ अगले हफ्ते जरुर देखिए/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्क्रद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्ड्ढक्ष्